जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 174 प्रभात चूरू, रविवार 20 अक्टूबर, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

वेदांता ग्रुप ने सी.एम. से 1 लाख करोड़ रूपए के निवेश की प्रतिबद्धता दोहराई

ग्रुप चेयरमैन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल से गोवर्धन परिक्रमा विकास योजना से जुड़ने की इच्छा जताई

लंदन, 19 अक्टूबर। ब्रिटेन की यात्रा के आज आखिरी दिन, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्राकृतिक संसाधन समूह वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल से लंदन में मुलाकात की और उन्हें राजस्थान की प्रगति में भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया। बैठक में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य मौजूद थे। बैठक में अनिल अग्रवाल ने, राजस्थान में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि यह निवेश वेदांता की कंपनियों - हिंदुस्तान जिंक, केयर्न ऑयल एंड गैस और सेरेंटिका रिन्यूएबल्स - के विस्तार में होगा और इसके अलावा, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए गैर-लाभकारी (नॉन प्रॉफिट) आधार पर वेदांता ग्रुप उदयपुर के पास एक औद्योगिक पार्क भी स्थापित करेगी।

- मुख्यमंत्री व उनकी टीम ने लंदन के ब्रिटिश संग्रहालय का दौरा किया व राजस्थान के संग्रहालयों व कला दीर्घाओं की संभावनाओं पर चर्चा की।
- उन्होंने वन्य जीव पर्यटन के क्षेत्र में निवेश का आव्हान किया तथा ब्रिटिश फिल्म निर्माताओं को राजस्थान में शूटिंग करने के लिये आमंत्रित किया।
- राजस्थान की शैक्षणिक संस्थाओं के विकास के लिये मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के साथ एम.ओ.यू. का प्रस्ताव भी तैयार किया जायेगा।

मुख्यमंत्री और अनिल अग्रवाल के बीच "पूंछरी का लौठा" (गोवर्धन परिक्रमा से संबंधित एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल) और उसके आस-पास के क्षेत्रों के एकीकृत विकास पर भी चर्चा हुई सरकारी प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान राजस्थान के कृष्ण भूमि विकास के तहत आने वाले क्षेत्रों पर एक विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। "पूंछरी का लौठा" की विकास योजना से प्रभावित होकर अग्रवाल ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लंदन में मुख्यमंत्री भजनलाल से आज वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने मुलाकात की और राजस्थान में एक लाख करोड़ रु. के निवेश के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

'6 साल से जेल में, अभी तक कोर्ट में पेश नहीं किया गया'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर। भीमा कोरेगाँव कैदियों ने तालोना सैन्ट्रल जेल में नवी मुंबई पुलिस कमिश्नर के विरुद्ध भूख हड़ताल शुरु कर दी है। इन कैदियों के लिए कई महीनों से सुरक्षा कर्मियों की अनुपलब्धता जैसे लचर कारण देकर निर्धारित तारीखों पर अदालत पहुँचने के लिए ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था नहीं की गई है।

- भीमा कोरेगाँव केस के बंदियों ने नवी मुम्बई के पुलिस कमिश्नर के खिलाफ भूख हड़ताल शुरु की। बंदियों का आरोप है कि तारीख पर उन्हें कोर्ट नहीं ले जाया जाता, सुरक्षाकर्मी उपलब्ध नहीं होने का बहाना बनाकर रोक दिया जाता है।

नौ अक्टूबर, 2024, को भीमा कोरेगाँव कैदियों के उनकी सुनवाई के दिन अदालत में पेश नहीं किया गया। उस समय, एडवोकेट सुरेन्द्र गाडलिंग, जो स्वयं अपना केस लड़ रहे हैं, ने जेल से वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के माध्यम से अपने तर्क पेश किए। गाडलिंग के विस्तृत वक्तव्य सुनने के बाद मुंबई में स्पेशल एन.आई.ए. (नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेन्सी) कोर्ट (न. 25)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'संसद में विपक्ष की भूमिका नहीं है सुप्रीम कोर्ट की'

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने कहा, सुप्रीम कोर्ट जनता की अदालत है और यही कार्य उसे करते रहना चाहिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ ने शनिवार को सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को "जनता की अदालत" के रूप सुरक्षित रखे जाने की महत्ता रेखांकित की तथा कहा कि इसे संसद में विपक्ष के रूप में नहीं देखा जाना चाहिये।

सी.जे.आई. चन्द्रचूड़ ने स्पष्ट किया कि सर्वोच्च न्यायालय की जिम्मेदारी संसद में विपक्ष के रूप में कार्य करने की नहीं है। उन्होंने कहा कि जहाँ कानूनी असंगतियों या त्रुटि के लिये अदालत की आलोचना स्वीकार्य है, वहीं इसकी भूमिका एवं काम को नतीजों तथा केसों की प्रकृति के आधार पर नहीं आँका जाना चाहिये।

उन्होंने ये विचार उस समय व्यक्त किये, जब वे दक्षिण गोवा में "सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (एस.सी.ए.ओ.आर.ए.) की प्रथम कॉन्फ्रेन्स को सम्बन्धित कर रहे थे।

अपने सम्बोधन के दौरान, पिछले 75 वर्षों में विकसित न्याय के प्रतिमान तक पहुँच को बनाये रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने इस सोच के विरुद्ध भी जजों को सचेत किया कि शीर्ष अदालत को केवल बड़े केसों पर ही फोकस करना चाहिये। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि शीर्ष अदालत एक जन अदालत है तथा उसे अपना यह काम करते ही रहना चाहिये।

- चीफ जस्टिस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की भूमिका और कार्य को इसमें पेश मामलों की प्रकृति व फैसलों के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए।
- मुख्य न्यायाधीश ने शनिवार को गोवा में, सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन की पहली कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि, फैसला अनुकूल आए तो सुप्रीम कोर्ट को सही समझा जाता है, प्रतिकूल आए तो गलत, ऐसा नहीं होना चाहिए।

भारत के मुख्य न्यायाधीश ने शीर्ष अदालत के बारे में जनता की विभाजित राय पर भी चर्चा की तथा कहा कि यह शीर्ष न्यायिक संस्था का निर्णय जब पक्ष में होता है, तो सदैव उसकी तारीफ की जाती है, तथा उस समय आलोचना की जाती है, जब उसका निर्णय अपने पक्ष में नहीं होता। इस प्रकार उनकी सोच एवं मन:स्थिति ऐसी चीजों (प्रशंसा एवं आलोचना) से प्रभावित नहीं होनी चाहिये।

उन्होंने आगे कहा खासतौर से वर्तमान समय में मेरा मानना है कि हर व्यक्ति का सोच बहुत ज्यादा बँटा हुआ है। जब फैसला किसी के पक्ष में होता है, तो वह सोचता है कि सर्वोच्च न्यायालय कमाल की संस्था है, तथा जब निर्णय किसी व्यक्ति के खिलाफ होता है, तो वह इस संस्था की बुराई करता है।

राज्य के दर्जे के लिये मोदी से मिलेंगे उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, 19 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला आगामी दिनों में केन्द्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय मंत्रियों से मिलने के लिए नयी दिल्ली जाएंगे। इससे पहले गुरुवार को, मंत्रिमंडल ने केन्द्र सरकार से जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सी.ई.टी. परीक्षार्थियों को रोडवेज यात्रा फ्री

जयपुर, 19 अक्टूबर। राजस्थान के 18 लाख से ज्यादा युवाओं के लिए अच्छी खबर है। राजस्थान सरकार ने समान पात्रता परीक्षा सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स को बड़ी राहत दी है। अब सी.ई.टी. में हिस्सा लेने वाले अभ्यर्थी रोडवेज बसों में 5 दिन फ्री में सफर कर सकेंगे। स्टूडेंट्स अपना एडमिट कार्ड और आधार कार्ड दिखाकर परीक्षा शुरू होने से 2 दिन पहले और

- राजस्थान सरकार ने सी.ई.टी. परीक्षा में भाग ले रहे विद्यार्थियों को परीक्षा के 2 दिन पहले से 2 दिन बाद तक (कुल 5 दिन) एडमिट कार्ड दिखाने पर किसी भी शहर से फ्री यात्रा की सुविधा दी है।

परीक्षा खत्म होने के 2 दिन बाद तक राजस्थान के किसी भी शहर, गांव या कस्बे से फ्री में सफर कर सकेंगे। इसके अंतर्गत परीक्षार्थी अपने निवास स्थान, कोचिंग संस्थान या फिर प्रदेश के किसी भी हिस्से से परिवहन निगम की बसों में अपने परीक्षा केन्द्र तक फ्री में सफर कर सकेगा।

राजस्थान में स्टूडेंट्स को इससे पहले भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीस साल बाद कांग्रेस में लौटे कमाल फारुखी

मराठवाड़ा के इस वरिष्ठ नेता की वापसी से महाराष्ट्र चुनावों में कांग्रेस को भारी लाभ होगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर। महाराष्ट्र में कमाल फारुकी 20 साल बाद कांग्रेस में लौट आए हैं। कमाल ने वर्ष 2004 में कांग्रेस छोड़ी थी और बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था पर बाद में वे शरद पवार की एन.सी.पी. में चले गए थे।

मराठवाड़ा के इस वरिष्ठ नेता की वापसी को महाराष्ट्र के आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बहुत फायदेमंद माना जा रहा है।

कमाल फारुकी के बेटे उमर कमाल फारुकी भी कांग्रेस में आ गए हैं। उमर एन.सी.पी. की छात्र इकाई के उपाध्यक्ष थे और पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता भी रहे हैं।

कांग्रेस में आने के बाद फारुकी ने भाजपा की सांप्रदायिक, नफरत फैलाने वाली दक्षिणपंथी विचारधारा को परास्त करने पर जोर दिया और कहा "एक ही पार्टी है जो इस देश की मूल भावना का सही मायने में प्रतिनिधित्व करती है और देश में इसकी पुनर्स्थापना कर सकती है और वह है कांग्रेस।"

कमाल फारुकी की घर वापसी के बाद कांग्रेस पार्टी को अल्पसंख्यक वोट मिलने की उम्मीद फिर जगी है जो ओवैसी के पार्टी के मराठवाड़ा में पदार्पण के बाद कमजोर पड़ गई थी।

- कमाल फारुखी ने 2004 में कांग्रेस छोड़कर बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था, बाद में वे शरद पवार की एन.सी.पी. में चले गए थे।
- कमाल के साथ उनके बेटे उमर फारुकी भी कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।
- मराठवाड़ा में ओवैसी की पार्टी के आने से कांग्रेस को अल्पसंख्यक वोटों का नुकसान होने की संभावना थी, जिसकी भरपाई कमाल फारुकी की वापसी से हो सकेगी।

भाजपा ने राजस्थान की 6 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए

डॉ. किरोड़ी के भाई जगमोहन को दौसा से टिकट दिया, चौरासी का प्रत्याशी तय नहीं

जयपुर, 19 अक्टूबर। उपचुनाव के लिए भाजपा ने राजस्थान की 7 में से 6 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। भाजपा ने दौसा सीट से मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा को प्रत्याशी बनाया है। सलूंबर सीट पर दिवंगत विधायक अमृतलाल मीणा की पत्नी शांता देवी मीना को उम्मीदवार घोषित किया है। झुंझुनूं सीट से राजेन्द्र भांबू, देवली-उनियारा से पूर्व विधायक राजेन्द्र गुर्जर, खींवसर से रेवंत राम डांगा, रामगढ़ से सुखवंत सिंह को टिकट दिया है। चौरासी सीट पर भाजपा ने अभी प्रत्याशी घोषित नहीं किया है।

- खींवसर को छोड़ बाकी सीटों पर भाजपा ने प्रत्याशी बदले।
- भाजपा प्रत्याशी हैं: दौसा- जगमोहन मीणा, झुंझुनूं- राजेन्द्र भांबू, देवली- राजेन्द्र गुर्जर, रामगढ़- सुखवंत सिंह, सलुम्बर- शांता देवी, खींवसर- रेवंत राम डांगा।

भाजपा ने खींवसर को छोड़कर, सभी सीटों पर उम्मीदवार बदल दिए हैं। झुंझुनूं से पिछले चुनाव में उम्मीदवार बबलू चौधरी का टिकट काटकर राजेन्द्र भांबू को दिया है। देवली-उनियारा सीट पर कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे और 2023 में उम्मीदवार रहे विजय बैंसला का टिकट काटकर पूर्व विधायक राजेन्द्र गुर्जर को उम्मीदवार बनाया है। दौसा से पूर्व विधायक और पिछले उम्मीदवार शंकर लाल शर्मा का टिकट काटकर, किरोड़ी लाल मीणा के भाई और पूर्व आर.ए.एस. जगमोहन मीणा को टिकट दिया है। रामगढ़ सीट से जय आहूजा का टिकट काटकर, 2018 में हारे हुए उम्मीदवार सुखवंत सिंह को मौका दिया गया है।

खींवसर सीट से भाजपा ने 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे रेवंतराम डांगा को एक बार फिर टिकट दिया है। रेवंतराम डांगा विधानसभा चुनाव से पहले आर.एल.पी. छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। उनको आर.एल.पी. प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल ने 2069 वोटों के मामूली अंतर से हराया था। यह हनुमान बेनीवाल की अब तक की सबसे छोटी जीत थी। हनुमान बेनीवाल को कड़ी चुनौती देने के कारण रेवंराम डांगा पर एक बार फिर से भाजपा ने भरोसा जताया है।

सलूंबर से भाजपा प्रत्याशी शांता देवी अभी सेमारी में नगर पालिका अध्यक्ष हैं। शांता देवी सेमारी में सरपंच भी रह चुकी हैं। पूर्व में फर्जी मार्कशीट मामले में वो काफी चर्चा में रही थीं। करीब 3 साल पहले उदयपुर की सराड़ा कोर्ट ने फर्जी मार्कशीट पर पत्नी को पंचायत चुनाव लड़ाने के आरोप में सलूंबर विधायक स्व. अमृतलाल मीणा को जेल भेजा था। साल 2015 में विधायक अमृतलाल मीणा ने अपनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)